

मन मस्त फकीरी धारी है,
अब एक ही धुन जय जय भारत ॥

हम धन्य है इस जगजननी की,
सेवा का अवसर है पाया,
इसकी माटी वायु जल से,
दुर्लभ जीवन है विकसाया,
यह पुष्प इसी के चरणों में,
माँ प्राणों से भी प्यारी है,
मन मस्त फकीरी धारी है,
अब एक ही धुन जय जय भारत ॥

सुन्दर सपने नव आकर्षण,
सब तोड़ चले मुख मोड़ चले,
वैभव महलों का क्या करना,
सोते सुख से आकाश तले,
साधन की ओर ना ताकेंगे,
काँटों की राह हमारी है,
मन मस्त फकीरी धारी है,
अब एक ही धुन जय जय भारत ॥

ऋषियों मुनियों संतों का तप,
अनमोल हमारी ख्याति है,
बलदानी वीरों की गाथा,

अपने रग रग लहराती है,
गौरवमय नव इतिहास रचे,
भारत की शक्ति अपारी है,
मन मस्त फकीरी धारी है,
अब एक ही धुन जय जय भारत ॥

इस समय चुनौती भीषण है,
हर देशद्रोह सीना ताने,
पथ भ्रष्ट नीतीया चलती है,
आतंकी घूमे मन माने,
जन जन में सत्व जगायेगे,
अब अपनी ही तो बारी है,
मन मस्त फकीरी धारी है,
अब एक ही धुन जय जय भारत ॥

मन मस्त फकीरी धारी है,
अब एक ही धुन जय जय भारत ॥

गायक प्रकाश माली जी ।
प्रेषक मनीष सीरवी
9640557818



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>